1 SEP 2019

# GENERAL STUDIES (Module – 7)

| निर्धारित समय: तीन घंटे<br>Time allowed: Three Hours | DTVF/19 (N-M)–M–**GS17** | अधिकतम अंक: 250<br>Maximum Marks: 250 |
|---|---|---|

**Name:** Bhoor Singh Meena **Mobile Number:** _____

**Medium (English/Hindi):** Hindi **Reg. Number:** AWAICB-19,F/24

**Center & Date:** M.N. Delhi **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 3811578

## प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

*कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:*
*इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।*
*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
*प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।*
*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*
*प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।*
*प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।*

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:***
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
*All the questions are compulsory.*
*The number of marks carried by a question is indicated against it.*
*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*
*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*
*Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

| Question Number | Marks | Question Number | Marks |
|---|---|---|---|
| 1. | | 11. | |
| 2. | | 12. | |
| 3. | | 13. | |
| 4. | | 14. | |
| 5. | | 15. | |
| 6. | | 16. | |
| 7. | | 17. | |
| 8. | | 18. | |
| 9. | | 19. | |
| 10. | | 20. | |
| Grand Total ( सकल योग ) | | | |

_____
मूल्यांकनकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Evaluator (Signature)*

_____
पुनरीक्षणकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Reviewer (Signature)*

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये।
(150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss.
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राचीन भारतीय सभ्यता के रूप में हड़प्पा सभ्यता नगरीय व्यवस्था, कृषि विकास, व्यापार के साथ-साथ चित्रकारी के रूप में भी विकसित थी। हड़प्पा में चित्रकार द्वारा मुख्यत: मुहरों तथा दीवारों पर चित्रकारी की गई थी।

हड़प्पा से मिली मुहरों में पशुपति शिव, देवी-देवताओं तथा पशु-पक्षियों के साथ-साथ पेड़-पौधों की भी चित्रकारी की गई थी। हड़प्पा सभ्यता के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता एवं जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थी। इसके प्रमुख उदाहरण निम्न -

- लोथल से मिली मिट्टी के मृदभांड पर महुआरे को छाल के साथ मछली पकड़ते हुए बताया गया है जो उसकी क्रियाशीलता को बताता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- हड़प्पा ~~शहर~~ मे मिली मुहरो मे पशुओ का ~~चित्र~~ चित्रांकन किया गया हैं। जो इनको जीवंत अवस्था मे बताता हुई प्रतीत होता हैं।

- मृदभांडो मे की गई चमत्कार चित्रकारी इनकी उत्कृष्ट सृजनात्मक क्षमता को बताती हैं।

- चित्रकारी के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक स्थिति, राजनैतिक व्यवस्था के साथ-साथ इसके व्यापार की व्यवस्था को भी बताया गया है। क्योंकि यहाँ पर फारस ~~फार~~ की खाड़ी पार क्षेत्रो की मुहरे मिली हैं।

इस प्रकार चित्रकारो ने प्रकृति का चित्रांकन कर उसके प्रति संवेदनशीलता तथा पशुओ एवं अन्य ~~से~~ ~~प्राणि~~ प्राणियो का चित्रांकन जीवंत रूप में किया है।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

छठी शताब्दी में ब्राह्मणवादी ~~ब्राह्मणवादी~~ व्यवस्था में आई विकृतियों तथा उनके परिणाम-स्वरूप समाज में आई विकृतियों के कारण बुद्ध एवं जैन धर्मों का उदय हुआ। इनके उदय के प्रमुख कारण निम्न हैं—

**बौद्ध एवं जैन धर्म के उदय**

- ब्राह्मणवाद की कठोरता
- यज्ञवाद में बढ़ी हिंसा
- कृषि एवं उद्योगों का विकास
- जाति व्यवस्था की कठोरता
- स्त्रियों की दयनीय स्थिति

उत्तर वैदिक काल में ब्राह्मण धर्म में कठोरता आई तथा इसमें विभिन्न विकृतियों का समायोजन हो गया। इसके जातिप्रथा एवं वर्णव्यवस्था की कठोरता ने निम्न जातियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को दयनीय बना दिया।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नये राज्यो का उदय होने लगा। इसमे धीरे-धीरे वर्णव्यवस्था की कठोरता बढ़ी।

व्यापारियो की आर्थिक दशा सुधरने से उन्होने समाज मे अपनी स्थिति सुधारने की कोशिश की थी। महिलाओ की स्थिति पूर्वतया खराब थी। यज्ञ प्रणाली कठोर होगई जिसमे ब्राह्मणो द्वारा क्षत्रियो एवं वैश्यो का आर्थिक शोषण होने लगा।

इन स्थितियो मे सत्य, अहिंसा, समानता, वर्णव्यवस्था के विरोध के रूप मे जैन-बौद्ध धर्म अस्तित्व मे आये जिससे समाज के अधिकांश वर्गो के बीच ये लोकप्रिय होगये। इससे समाज मे जैन-बौद्ध धर्म की तीव्रता से फैला था। इसे ही 6th शताब्दी का धार्मिक आन्दोलन भी का नाम दिया गया



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आतंकवादी राष्ट्रवाद से तात्पर्य राष्ट्रवाद की ऐसी भावना जिसमे स्वराज हेतु हिंसक साधनो का सहारा लिया गया तथा ब्रिटिश सरकार के क्रूर एवं निर्दयी अधिकारियों को मौत के घाट उतार दिया जाता था।

यद्यपि इसका वास्तविक रूप बंगाल विभाजन के बाद दिखाई पड़ता है परन्तु इसका उद्भव इससे पूर्व 19वी शताब्दी के अंतिम दशक मे ही गया था। भारत मे बंगाल विभाजन से आतंकवादी राष्ट्रवाद की कई घटनाये सामने आई उनमे प्रमुख निम्न है-

- वीर सावरकर द्वारा गुप्त क्रांतिकारी संगठन 'यंग इंडिया' या 'युवा भारत' का गठन किया गया। जो मुख्यत: इटली के मेजिनी से बहुत ज्यादा प्रभावित था।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस संस्था द्वारा युवाओ को सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता था।

- 1897 मे महाराष्ट्र मे प्लेग फैलने के बाद अंग्रेजो द्वारा उसके नियंत्रण हेतु कोई कार्रवाई नही की गई तो चापेकर बंधुओ ने प्लेग नियंत्रण अधिकारी की हत्या कर दी।
- वीर सावरकर ने इसी संस्था के माध्यम से अधिकांश क्रांतिकारी आतंकवादियो को प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रकार बंगाल विभाजन से पूर्व आतंकवादी राष्ट्रवाद की नीव तो लग गई परन्तु इसका प्रभाव स्वदेशी आंदोलन के बाद कांग्रेस की असफलता के परिणामस्वरूप दिखाई पड़ा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार द्वारा अपनी भौगोलिक स्थिति का पूरा लाभ उठाने तथा ब्लू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु पृथ्वी मंत्रालय के अंतर्गत डीप ओशन मिशन का शुभारम्भ किया गया है इसके प्रमुख उद्देश्य एवं महत्व निम्न हैं —

- भारत का हिंद महासागर क्षेत्र में लगभग 20 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र आता है जो प्राकृतिक एवं जैविक संसाधनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

- इस मिशन का मुख्य उद्देश्य समुद्र की गहराई का सर्वेक्षण करना, वहाँ उपलब्ध संसाधनों का आकलन तथा उनका दोहन किस तकनीक से किया जाना ज्यादा वहनीय एवं सरल होगा। इसका निर्धारण किया जाएगा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

- इसके माध्यम से गहरे समुद्रों में मछली पालन को बढ़ावा देने हेतु नई तकनीकों को प्रोत्साहन दिया जाएगा
- इसके माध्यम से सरकार ब्लू अर्थव्यवस्था की व्यापक संभावनाओं को व्यवहारिक रूप देने का प्रयास करेगी।

इस प्रकार 'डीप ओशन मिशन' भविष्य में हरित ईंधन एवं ऊर्जा की आपूर्ति के साथ-साथ मछली पालन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

परन्तु साथ ही सरकार यदि ब्लू अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देना चाहती है तो उसे 'मीना कमाटी' समिति अनुशंसाओं का पालन किया जाना चाहिये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
*Copyright – Drishti The Vision Foundation*

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं?
(150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वायुमंडल में क्षोभमंडल की उपरी सीमा तथा निचले समतापमंडल में पश्चिम से पूर्व तीव्र गति से प्रवाहित होने वाली हवाओं को जेट धारा कहा जाता है। यह मुख्यत: शीतोष्ण जेट धारा और उपोष्ण जेटधारा के रूप में दो प्रकार की होती है।

शीतोष्ण जेटधारा 60° अक्षांशों के मध्य पश्चिम से पूर्व की ओर प्रभावित होती है, जबकि उपोष्ण जेटधारा 30° अक्षांशों के मध्य प्रवाहित होती है।

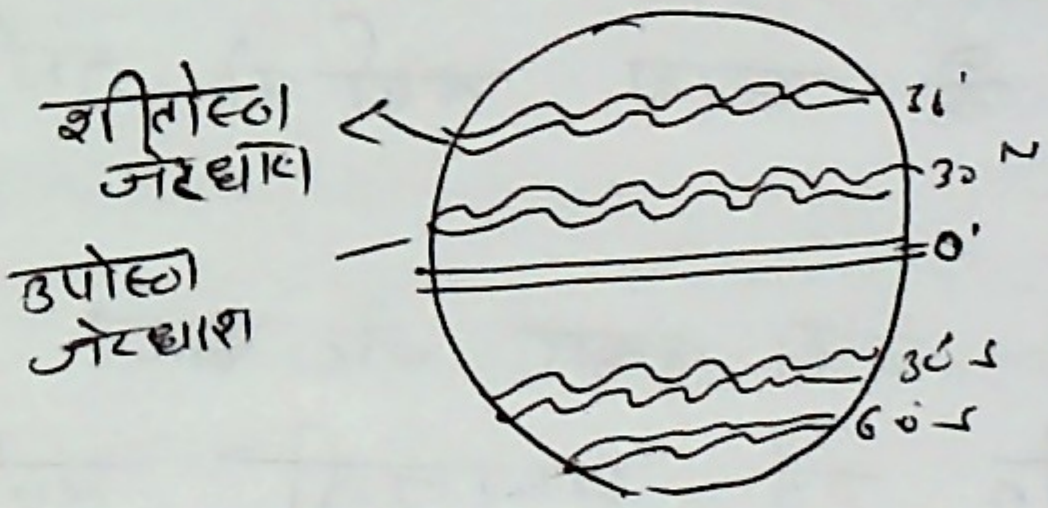


इनकी गति शीत ऋतु में तापान्तर अधिक होने के कारण होती है। तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में कोई बाधा नहीं होती इसलिए इनकी गति वहां पर भी तीव्र होती है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

यह भारतीय जलवायु को निम्न प्रकार प्रभावित करती हैं।

- शीतऋतु के दौरान पश्चिमी जेट धारा उत्तरी भारत से होकर गुजरती है जो भूमध्यसागर से आर्द्रता लेकर हिमालय से टकराकर वर्षा करती है। जिसके कारण उत्तर भारत में इस दौरान शीतलहर भी चलती हैं।

- ग्रीष्म ऋतु में यह जेटधारा भारत से बाहर निकल जाती है जिसके कारण उत्तर भारत में निम्न वायुदाब केन्द्र बनता है, जिससे द. पश्चिमी मानसून के कारण वर्षा हो जाती है।

इस प्रकार जेट धारा शीतकालीन एवं मानसूनी वर्षा के लिए जिम्मेदार होती। जो भारतीय कृषि उत्पादन में सहायक होती है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
*Copyright – Drishti The Vision Foundation*

drishti | दृष्टि The Vision

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं? (150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उच्चतम न्यायालय द्वारा तीन तलाक ~~विधेयक~~ को असंवैधानिक मानते हुए इसे दण्डनीय घोषित कर दिया। इसके बाद सरकार द्वारा 'मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम' विधेयक पारित किया गया।

इससे महिलाओं के साथ किये गये भेदभाव को समाप्त करने मे मदद मिलेगी। इसका परीक्षण मुख्यत: लैंगिक न्याय एवं धर्मनिरपेक्षता के आधार पर निम्न है-

लैंगिक न्याय

- यह अनुच्छेद 14, 15 तथा 21 के विरुद्ध था जो प्राकृतिक न्याय की स्थापना करते हैं।

- इसमे महिलाओं के विवाह संबंधी अधिकारों को सुरक्षित रखा गया

- इसमे महिलाओं को ~~बिना~~ तलाक भत्ते की व्यवस्था भी गई जिससे उनकी



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आजीविका बनी रहेगी
- महिलाओं को समाज में समान अधिकार मिलेंगे

इस प्रकार यह विधेयक लैंगिक न्याय की स्थापना करता है।

धर्मनिरपेक्षता

इसमे प्रत्येक धर्म को अपने कार्यो को करने का अधिकार दिया गया तथा वे व्यक्तिगत धार्मिक कानूनो के अनुसार अपने नियम निर्धारित करेंगे। इस प्रकार तलाक भी उनका व्यक्तिगत धार्मिक मामला था। इसलिए कुछ आलोचक इसे धर्मनिरपेक्षता के विरुद्ध मानते है।

परन्तु एक मामले में उच्चतम न्यायलय ने कहा यदि धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधार के मध्य द्वन्द की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो सामाजिक सुधार को वरीयता दी जाएगी। इस प्रकार तीन तलाक एक सामाजिक सुधार है इसलिए यह न्यायपूर्ण विधेयक साबित होगा। तथा इसमे धर्मनिरपेक्षता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।





Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्राचीन पितसत्तात्मक परिवार मे महिलाओ को सदा भेदभाव पूर्ण स्थिति मे रखा गया। एक ओर तो उसको परिवार की इज्जत मानते थे तो दूसरी ओर परिवार के अंदर उसको मान सम्मान नही दिया जाता था। प्राचीन भारतीय प्रमुख अक्षमताये निम्न थी जिनका सामना महिलाओ को करना पड़ा -

- समाज मे समान शिक्षा प्रणाली का अभाव जिसमे महिलाओ को शिक्षा नही मिलती थी
- धार्मिक विकृतियो से समाज मे उत्पन्न विकृतियो ने सती प्रथा, बाल -विवाह तथा विधवा पुनर्विवाह का प्रतिबंध प्रमुख समस्याये को जन्म दिया।
- बहुपत्नी विवाह, महिलाओ को समाज, अर्थव्यवस्था एवं राजनीति मे भागीदारी ना करने की अनुमति।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन सामाजिक अक्षमताओं से समाज का एक बड़ा वर्ग विभिन्न समस्याओं का समाधान कर रहा था जिससे समाज के विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही थी। ऐसी स्थिति में समाज सुधारकों ने निम्न प्रयास किये -

- राजाराममोहन राय के प्रयासों से 1829 में विलियम बैंटिक द्वारा सती प्रथा को गैर कानूनी घोषित कर इसे दंडनीय बना दिया।

- ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासों से 'विधवा पुनर्विवाह अधिनियम' 1856 बनाया गया जिसके ~~विवाह~~ विधवा विवाह को वैधानिक करार दिया।

- इन्ही समाज सुधारकों ने बाल विवाह, बालहत्या को रोकने हेतु समाज को जागरूक करने का प्रयास किया गया

इस प्रकार प्राचीन परंपराओं की सामाजिक अक्षमता ने महिलाओं ~~की~~ के प्रति समाज के नकारात्मक मानसिकता को जन्म दिया। परन्तु आधुनिक समय में यह मानसिकता बदल रही है


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है? (150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साम्प्रदायिकता ऐसी विचारधारा है जिसमें धर्म, जाति या समुदाय के संकीर्ण मुद्दों को लेकर दूसरे धर्म, जाति, या समुदाय के साथ अविश्वास, ईर्ष्या या घृणा का भावना रखना। साम्प्रदायिकता कहलाती है।

इसके अन्य अर्थों में यदि राजनीति में सत्ता प्राप्ति हेतु धर्म या जाति का सहारा लिया जाता है, तो इसे की साम्प्रदायिकता कहते हैं।

औपनिवेशिक शासन शासकों को खंडित करने हेतु भी साम्प्रदायिकता का सहारा लिया तथा उन्होंने अपनी नीतियों में 'फूट डालो और राज करो' की नीति का अनुसरण किया। औपनिवेशक शासकों की प्रमुख नीतियों जिन्होंने इसको जन्म दिया —

- 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना कर उसे केवल मुस्लिम समुदाय की



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पार्टी बनाना

- 1909 के मार्ले-मिण्टो सुधारों में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली को लागू करना,
- धर्म के आधार पर बंगाल का विभाजन करना,
- 1919 तथा 1935 के अधिनियम में पृथक निर्वाचन प्रणाली को विस्तार रूप देना।
- हिन्दुओं के विरुद्ध मुस्लिम लीग को भड़काना

इस प्रकार अंग्रेजों की इन्हीं नीतियों ने भारत में यह साम्प्रदायिकता इतनी बढ़ा दी थी कि इसके कारण हमें विभाजन जैसी त्रासदी का सामना करना पड़ा। यद्यपि स्वतंत्रता के बाद भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बना परन्तु संकीर्ण मुद्दे को लेकर वर्तमान समय में भी तथाकथित साम्प्रदायिकता बनी हुई है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये।
(250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश सरकार की वाणिज्यीकरण की नीति तथा पक्षपातपूर्ण व्यापारिक एवं औद्योगिक नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर अनेक प्रभाव डाले।

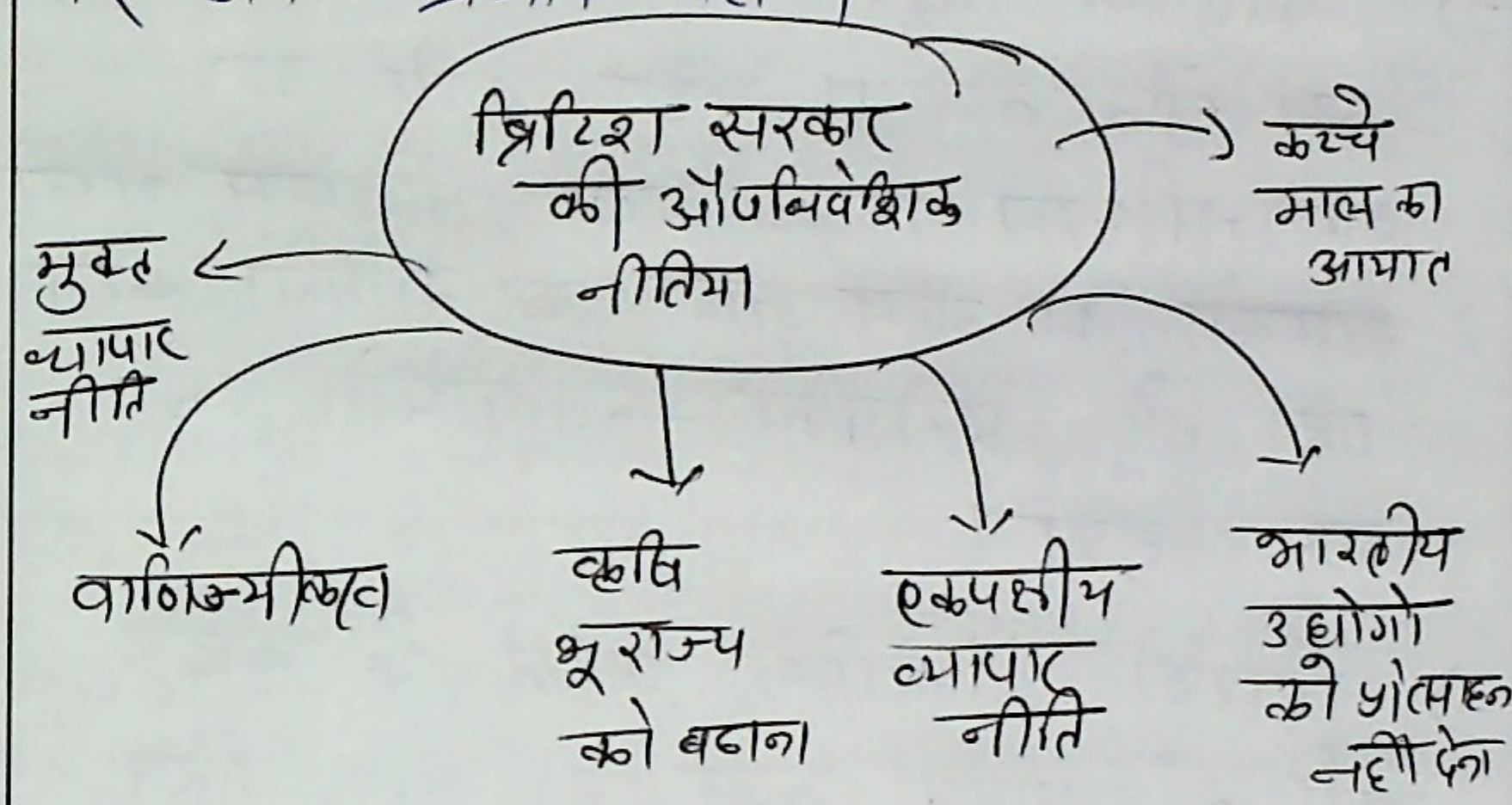


इस प्रकार ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योगों के हित हेतु उनके द्वारा अपनाई गई प्रमुख नीतियां निम्न हैं -

⇒ वाणिज्यीकरण की नीति के तहत अधिक लाभ कमाने पर बल दिया गया तथा भारत को कच्चे माल का निर्यातक एवं तैयार माल का आयातक बनाया गया।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

⇒ एक पक्षीय व्यापार नीति के अंतर्गत भारतीय वस्तुओ पर करस्म ड्यूटी लगाई जाती थी जबकि ब्रिटिश सरकार की वस्तुओ पर कोई कर नही लगाया जाता था।

⇒ कृषि को राजस्व एवं कच्चे माल का स्रोत बनाया तथा कृषि का वाणिज्यीकरण किया गया जिससे भारतीय कृषको को अधिक जोखिम का सामना करना पड़ा एवं यूरोपीय व्यापारियों को लाभ हुआ।

⇒ ब्रिटिश औद्योगिक क्रांति के बाद वहाँ उत्पादित वस्तु को उच्च मूल्य पर भारतीय बाजार मे बेचा गया जिससे यहा के लघु एवं कुटीर उद्योगो का पतन होने लगा

⇒ कंपनी के कर्मचारियों, प्रशासनिक अधिकारियों के वेतन भते, व्याजो का भुगतान के नाम पर भारतीय धन को इंग्लैण्ड भेजा गया जिससे भारत की अर्थव्यवस्था दिन-प्रतिदिन कमजोर

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होती गयी।

इन नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर निम्न परिणाम दिखाई पड़े:

↳ वाणिज्यीकरण की नीति के कारण भारतीय उद्योग-धन्धों का पतन हो गया तथा बढ़ी मात्रा में बेरोजगारी बढ़ी

↳ कृषि में अधिक भू-राजस्व के कारण किसानों की जमीनें जब्त कर ली गई जिससे कृषि उत्पादन में कमी आई

↳ औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप भारतीयों को उच्च मूल्य पर अंग्रेजी वस्तुओं को खरीदना पड़ता था इससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

इस प्रकार अंग्रेजों की अपने उद्योगों एवं व्यापार नीतियों के कारण भारत में उद्योग-धन्धे, विशेषकर तथा कुटीर उद्योगों का पतन होने लगा।]

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

साम्राज्यवाद एक ऐसी प्रणाली है जिसमें एक राष्ट्र किसी दूसरे राष्ट्र पर सैनिक शक्ति का प्रयोग कर उसे अपने नियंत्रण में ले ले तो इसे ही साम्राज्यवाद कहते हैं।

19वी शताब्दी मुख्यत: एक साम्राज्यवादी शताब्दी थी। जिसके अंतर्गत यूरोप की महान शक्तियाँ जैसे इंग्लैण्ड, फ्रॉंस, इटली, जर्मनी तथा ऑस्ट्रिया निरन्तर अपने साम्राज्य का विस्तार हेतु प्रयासरत थी।

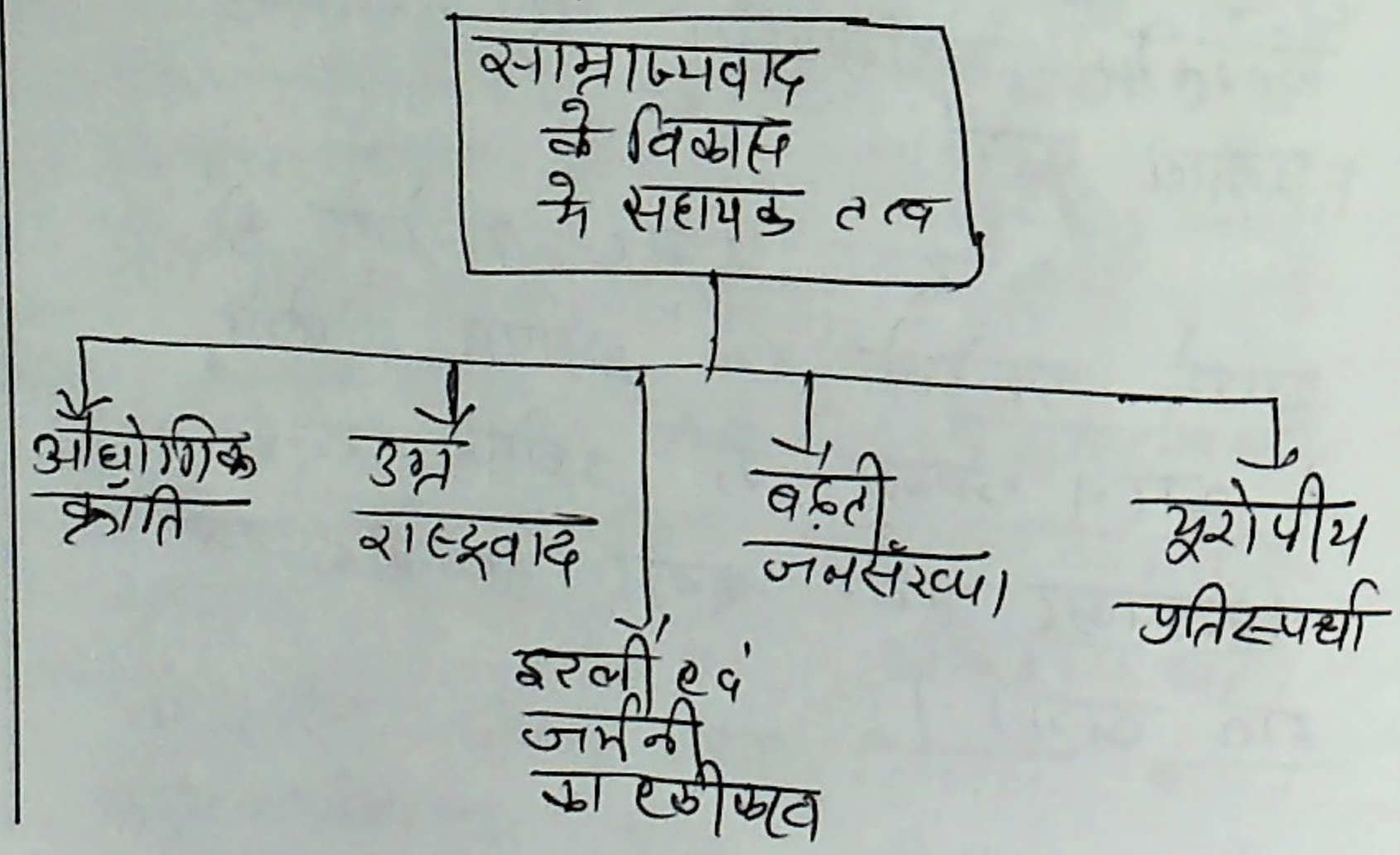




www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

**औद्योगिक क्रांति** 18 वी शताब्दी मे औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोप के देशो मे आर्थिक विकास हुआ जिससे सैनिक शक्ति बढ़ी। परिणामस्वरूप दूसरे क्षेत्रों पर अधिकार करने को प्रोत्साहित हुये। जिसने साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया

**उग्र राष्ट्रवाद** + राष्ट्रवादी भावना ने जब साम्राज्यवाद को जन्म दिया तो उसे ही उग्र राष्ट्रवाद कहते है जिसमे एक राष्ट्र अपने सम्मान एवं गौरव हेतु दूसरे राज्यो पर अपना अधिकार करता था।

**जनसंख्या वृद्धि** : बढ़ती जनसंख्या के लिए क्षेत्र विस्तार जरूरी हो गया।

**इटली एवं जर्मनी का एकीकरण** इटली एवं जर्मनी का एकीकरण होने से वे शक्तिशाली राष्ट्र के रूप मे उभरे जिन्होंने अपनी साम्राज्यवादी नीति अपनाई।

इनके अतिरिक्त यूरोपीय राष्ट्रो मे बढ़ती औपनिवेशिक प्रतिस्पर्धा ने इसको बढ़ावा दिया

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एशिया का एकमात्र औद्योगिक रूप से सम्पन्न राष्ट्र जापान ने भी इसी साम्राज्यवादी नीति का अनुसरण किया तथा उसने इसका निम्न प्रकार विस्तार किया

- 1895 में जापान ने चीन पर आक्रमण किया तथा चीन के अधिकांश क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। लिया
- 1905 में जापान ने मंचूरिया पर अधिकार किया तथा वहाँ पर रूसी सेना को पराजित किया।

इस प्रकार जापान जैसा छोटा सा देश विश्व का शक्ति बनकर उभर रहा था। इन्ही साम्राज्यवादी नीतियों की परिणति प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध के के रूप में हुई। इससे ~~सम्पूर्ण~~ विश्व समुदाय को भारी जन-धन की हानि चुकानी पड़ी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1917 में रूस के निरंकुश जार शाही शासन के खिलाफ साम्यवादी क्रांति हुई। जिसके प्रमुख कारण निम्न है

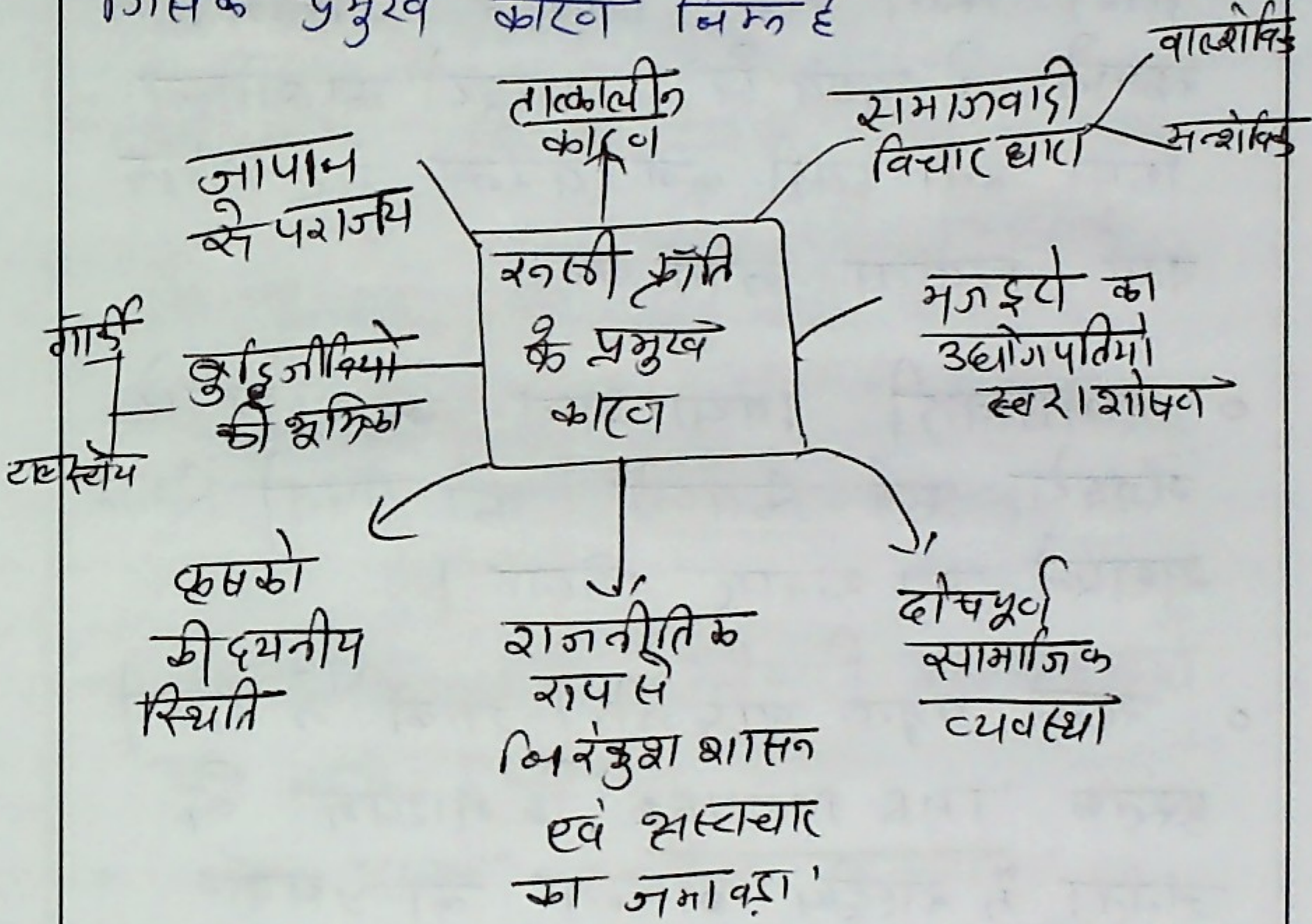


- निरंकुश जार शाही शासन के कारण शासन में भ्रष्टाचार बढ़ा तथा जनता का शोषण होने लगा।
- समाज में विशेषाधिकार एवं विशेषाधिकार विहीन वर्गों में काफी विभिन्नता एवं मौजूद थी



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- रूस के अधिकांश किसान भूमिहीन थे जिनका भूस्वामियों द्वारा शोषण किया जाता था
- रूस में औद्योगिकरण में विदेशी पूंजीपतियों द्वारा किया गया जिन्होंने अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से मजदूरों का शोषण किया तथा उनको कम वेतन पर अधिक कार्य करवाया जाता था।
- समाजवादी विचारधारा के प्रसार से मजदूरों एवं किसानों को अपनी स्थिति सुधारने का अवसर मिला।
- प्रमुख बुद्धिजीवी गार्की ने अपनी पुस्तक 'THE MOTHER' के माध्यम से जनता में राष्ट्रीय भावना का प्रसार किया
- जापान से 1905 में युद्ध से हारने से राष्ट्रीय मान-सम्मान को ठेस पहुंची जिसका प्रमुख कारण जारशाही शासन की असफलता थी

इसके अतिरिक्त प्रथम विश्व युद्ध में रूस की निरंतर होती हार तथा



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उत्पन्न खाद्यान्न समस्याओं ने इस क्रांति को जन्म दिया तथा अक्टूबर 1917 में लेनिन के रूप में यहां प्रथम साम्यवादी सरकार बनी।

इसका भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर निम्न प्रभाव पड़ा-

- साम्यवादी दल का गठन 1920 में किया गया जिसने मजदूरों एवं किसानों को संगठित कर अंग्रेजों के विरुद्ध आंदोलन करने को प्रोत्साहित किया।
- भारत में समाजवादी आंदोलन को प्रोत्साहन मिला
- भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी समाजवादियों का जन्म हुआ
- नेहरू जैसे सर्वाधिक प्रभावित हुए तथा इसने भारत में भी समाजवादी विचारधारा का प्रचार किया।

इस प्रकार रूसी क्रांति ने सम्पूर्ण विश्व को एक नई विचारधारा दी जिसने उपनिवेशों में साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलनों को गति दी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारत में जैसे-जैसे विकास को बढ़ावा दिया गया। वहाँ औद्योगीकरण, शहरीकरण, अवसंरचना का विकास, परिवहन को बढ़ावा तथा बाँधों का निर्माण किया गया वैसे-वैसे कई पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हुई। इन्हीं समस्याओं के परिणामस्वरूप भारत में विभिन्न पर्यावरणीय आंदोलनों का जन्म हुआ जो निम्न है

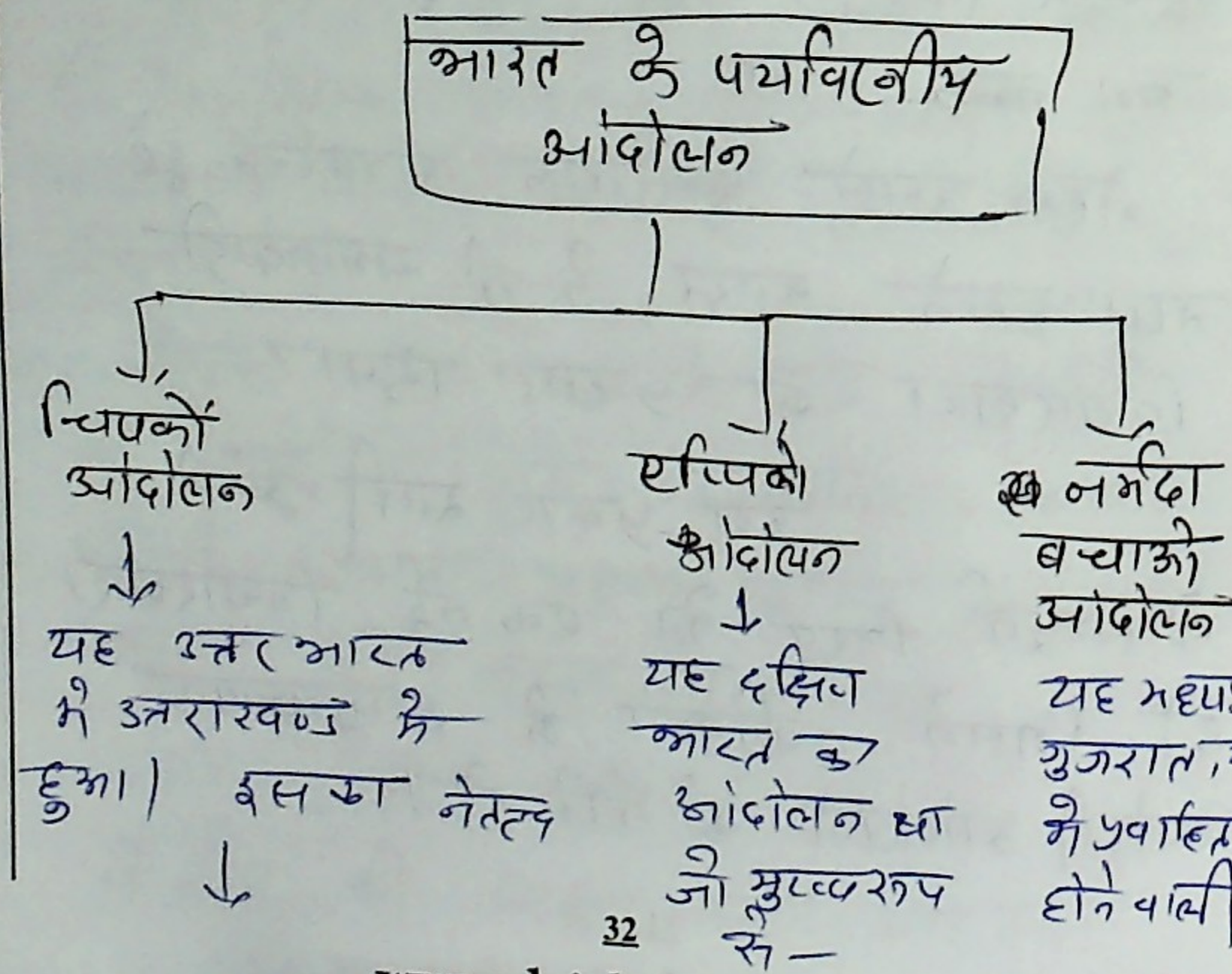




www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बहुगुणा द्वारा किया गया था यह आंदोलन यहाँ पर बढ़ रहे वनों की कटाई के विरोध में किया गया।

वन्यजीवों एवं वन्य अभ्यारणों के संरक्षण हेतु शुरु हुआ

नर्मदा नदी पर बाँध बनाने के विरोध मे किया गया

इस प्रकार इन पर्यावरणीय गतिविधियों द्वारा भारत मे विकास हेतु अपनाई जारही बाँध परियोजनाओं का विरोध किया। इसी प्रकार महानदी पर बनाये गये 'हीराकुड बाँध परियोजना' का विरोध किया गया क्योंकि इससे बडी मात्रा मे पर्यावरण के साथ-साथ वहाँ के निवासियों को भी नुकसान पहुँचा।

परन्तु विकास क्रम मे इस प्रकार की अवसंरचना का विकास करना पडता है

इन पर्यावरणीय आंदोलनों से के कारण विकास कार्यों मे बाधा पहुँचती है जिससे बडी मात्रा


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में आर्थिक विकास अवरुद्ध होता है। कभी-कभी ये आंदोलन इतने ज्यादा भयानक हो जाते है कि इनमे जन-धन की हानि का सामना करना पड़ता हैं। परन्तु भारत मे इस प्रकार की गतिविधी अभी तक नही।

अतः पर्यावरणीय आंदोलन राष्ट्र के विकास के साथ जुड़े हुऐ है इसलिए इस विकास दौर में हमें पर्यावरण का भी अनुसरण करते रहना चाहिए तथा सतत विकास की अवधारणा का अनुसरण करना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया? (250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1971 मे बांगलादेश ~~कि~~ आजादी मे भारत द्वारा सहयोग के कारण भारत एवं पाकिस्तान के मध्य युद्ध हुआ। इस युद्ध के ~~बाद~~ 1972 मे शिमला समझौता भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी एवं उसके पाकिस्तानी समकक्ष के मध्य शिमला मे हुआ। इसके प्रमुख सिद्धान्त निम्न है -

↳ दोनो देशो की ~~सेनाये~~ सेनाऐ अपने अपने क्षेत्र मे वापस लौटेगी

↳ दोनो देशो के मध्य जितने भी विवाद है उनका समाधान दोनो देश बिना किसी तीसरी शक्ति की मध्यस्थता के आपसी सहयोग से करेगे।

↳ दोनो देश एक-दूसरे के आंतरिक मामलो मे हस्तक्षेप नही करेगे

↳ कश्मीर समस्या का समाधान



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दोनो राष्ट्र आपसी मध्यस्थता से सुलझायेंगे।

- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दोनो देश आपसी सहयोग करेंगे।
- दोनो देश सांस्कृतिक, आर्थिक एवं सामाजिक संबधो को मजबूत करेंगे।

इन प्रावधानो के तहत यह समझौता हुआ जिसके बाद यह आशा लगाई गई की अब भारत एवं पाकिस्तान मे सहयोग बढ़ेगा परन्तु यह बात पूर्णतः गलत साबित हुई।

इस समझौते का यदि भारत के संदर्भो मे विश्लेषण किया जाए तो भारत मे इसके कोई खास सफलता नही पाई जिसके प्रमुख कारण निम्न -

⇒ भारत एवं पाकिस्तान के मध्य सीमा विवाद एवं सिंधु नदी विवाद आज भी बना हुआ है



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

⇒ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पाकिस्तान द्वारा भारत को गलत साबित करने का प्रयास किया जाता है

⇒ सीमापार आतंकवाद को पाकिस्तान द्वारा निरन्तर बढ़ावा दिया जा रहा है

⇒ कश्मीर समस्या का समाधान पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र संघ की मध्यस्थता से करना चाहता है जो शिमला समझौते के विरुद्ध

⇒ हाल ही में हुई उरी हमला की घटना, पठानकोट हमला, एवं पुलवामा आतंकी घटनाओं में पाकिस्तानी हाथ का होना।

इस प्रकार भारत शिमला समझौते के प्रमुख सिद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने में असफल रहा है।


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

मृदा अपरदन

मृदा की ऊपरी उपजाऊ सतह का विभिन्न कारकों की वजह से अपने स्थान से दूसरी जगह चला जाना जिससे मृदा की उपजाऊपन समाप्त हो जाती है, इससे मृदा बंजर भूमि में तब्दील हो जाती है

भारत में मृदा अपरदन के कारण :

भारत में मृदा अपरदन एक प्रमुख समस्या है जिसका प्रमुख कारण निम्न है—

- दोषपूर्ण सिंचाई प्रणाली जिसमें बाढ़ सिंचाई प्रणाली को अपनाया जाता है जिससे अपरदन को तेजी मिलती है।
- खेतों की बाड़ों पर निरन्तर पेड़ों की होती कटाई
- भारत में दोषपूर्ण जोतों का बटवारा।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- गलत तरीके से उर्वरक एवं रसायनो का प्रयोग
- किसानो की असाक्षरता
- दोषपूर्ण फसल प्रणाली
- उत्तरीपूर्वी भारत में पाई जाने वाली झूम खेती

इन्ही उपर्युक्त कारणो से भारत में मृदा अपरदन बढ़ रहा है इससे कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में कमी हो रही है। इसलिए इसके समाधान हेतु निम्न तरीके अपनाये जाएं_

- खेतो की मेड़ों पर ~~के~~ वृक्षारोपण किया जाए क्योंकि ये एक तरफ तो मृदा को जोड़कर रखते है दूसरी ओर वायु के कारण होने वाले मृदा अपरदन को भी रोकते है।

- सिंचाई हेतु सूक्ष्म सिंचाई तकनीक जैसे फव्वारा सिंचाई, बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति का प्रयोग किया जाए


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- किसानो को कृषि पद्धतियो से अवगत कराया जाऐ
- नहरो के माध्यम से बढ़ती मृदा लवणता पर नियंत्रण पाया जाना चाहिए
- झूम खेती को वैज्ञानिक तरीके से करने को बढ़ावा दिया जाए
- सीढ़ीदार खेती को बढ़ावा दिया जाऐ।

इस प्रकार बढ़ता मृदा अपरदन भारतीय कृषि उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसके लिए किसानो मे जागरूकता, कृषि की कुशल रणनीति को बढ़ावा दिया जाए।

---


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत एक बहुजलवायु वाला देश है, जिसमे विभिन्न प्रकार की जलवायु पाई जाती है। इसी प्रकार भारत के अलग अलग क्षेत्रो में ~~अलगो~~ अलग -अलग उद्योगो का विकास हुआ है। किसी भी उद्योग की अवस्थिति निम्न कारको पर निर्भर करती है

उद्योगो की अवस्थिति के कारक

- श्रम → कार्य का आधार बनी अधिकता एवं सस्ती उपलब्धि
- कच्चा माल
- खनिज संसाधन
- बाजार की उपलब्धता
- जलवायु
- भौगोलिक स्थिति
- परिवहन सुविधा
- राजनीतिक स्थिरता


Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

श्रम – जिन क्षेत्र में श्रम अधिक होते है वहाँ श्रम गहन उद्योगों बढावा मिलता तथा जिनके श्रम कम होते है वहाँ पूंजी-उद्योगों को बढावा दिया जाता

कच्चा माल
उद्योगों में कच्चा माल की उपलब्धता इनको गति देती है। इसलिए गन्ना जैसा कच्चा माल जल्दी सूख जाता है जिससे उसकी उत्पादनता घट जाती है इसलिए चीनी उद्योग गन्ना क्षेत्रो के पास अवस्थित होते है

जलवायु –
वस्त्र उद्योग मे जलवायु सबसे अहम कारक होती है। इसके अनुकूल सम-आर्द्र जलवायु की जरुरत होती है। इसलिए इनका विकास समुद्री किनारे पर हुआ है

बाजार की उपलब्धता
तैयार माल को बेचने हेतु बाजार की उपलब्धता अनिवार्य होती है। इसलिए उद्योग ज्यादातर शहरी क्षेत्रो के पास ज्यादा लगाये जाते है ताकि परिवहन लागत ज्यादा ना हो



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के प्रमुख कारण निम्न है -

- भारत का अधिकाँश सीमा समुद्री तटवर्ती है इसलिए यहाँ पर सम-आर्द्र जलवायु पाई जाती है। जो वस्त्र उद्योग के लिए अनुकूल है।

- भारत मे श्रम की उपलब्धता अधिक है और वस्त्र उद्योग सबसे ज्यादा श्रम गहन उद्योग है।

- भारत मे जनसंख्या अधिक होने के कारण बाजार अधिक सरल मात्रा मे उपलब्ध है

- जनसंख्या अधिक होने के कारण श्रम सस्ता उपलब्ध है।

- प्राचीनकाल से भारतीय वस्त्र उद्योग को बढावा मिला तथा यहाँ कपास, की खेती भी ज्यादा होती है

इस प्रकार भारत मे सूती वस्त्र उद्योग विकसित स्तर पर है यहाँ दुनियाभर के कपड़े बनाये जाते है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बाल विवाह शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से एक सामाजिक बुराई है। भारत में प्राचीन समय से इस प्रथा का प्रचार हुआ है। समाज सुधार आंदोलन में इस प्रथा को रोकने हेतु अथक प्रयास किये गये। परन्तु यह प्रथा भारतीय समाज में आज भी बनी हुई है। जिसके प्रमुख कारण निम्न है–

- भारतीय समाज में व्याप्त अंधविश्वास रूढ़िवादिता एवं असाक्षरता
- पुरुषों द्वारा अपने वादा को पूर्ण करना।
- महिलाओं का समाज की एक संपत्ति के रूप में मानने की सोच का बना रहना।
- बाल शिक्षा तक दूर-दराज के क्षेत्रों की सीमित पहुँच।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- समाज में लड़कियों की बढ़ती असुरक्षा की भावना।
- समाज में बढ़ती दहेज प्रथा

इनके कारण कम उम्र में विवाह कर देते हैं जिसके निम्न प्रभाव दिखाई देते हैं –

- स्त्रियों में कुपोषण एवं उनके बच्चे भी कुपोषण के शिकार होंगे।
- समाज में गिरता उच्च शिक्षा का स्तर
- कम उम्र में लड़कियों का विधवा होना
- लड़के एवं लड़की का पूर्ण शारीरिक एवं मानसिक विकास नहीं होना।

इस समस्या का समाधान करने हेतु भारत सरकार द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम–2006 पारित किया गया जिसने बाल विवाह को गैरकानूनी घोषित कर दिया है। यद्यपि इसका प्रभाव पड़ा है, परन्तु बाल विवाह को और रोकथाम हेतु निम्न प्रयास करने होंगे –


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- समाज में बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए
- लड़की पढ़ाओ - लड़की पढ़ाओ ~~कार्य~~ कार्यक्रम को और अधिक लोकप्रिय बनाया जाए
- बाल-विवाह के जिम्मेदार सभी सदस्यों पर कठोर कार्रवाई की जाए
- लोगों में इसके नकारात्मक प्रभावों से अवगत कराया जाए
- सरकार द्वारा लड़कियों के विवाह में आर्थिक सहायता को प्रोत्साहन दिया जाए।
- स्थानीय सरकारों को इसके रोकथाम हेतु पुरस्कार दिया जाए

अत, लोगों के व्यवहार एवं मानसिकता को बदलकर इस ~~समस्या~~ प्रथा को रोका जा सकता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्राचीन समाज की सबसे बड़ी कुप्रथा अस्पृश्यता थी। इसलिए संविधान निर्माताओं ने भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों में समानता के अधिकार के अनुच्छेद -17 के तहत इसको रोकने की शक्ति संसद को दी गई है। इस हेतु संसद द्वारा नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1976 के अंतर्गत इसको पूर्णतया कठोर बना दिया।

सरकार द्वारा इसको कठोर बनाने के बावजूद यह कुप्रथा आज भी हमारे समाज में बनी हुई है जिसमें हाल ही में कई दलितों की हत्या की घटना, मंदिर प्रवेश में वर्जित जैसी घटनाएं उभरकर सामने आ रही हैं इसके रोकने हेतु भारत में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है -



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- भारतीय समाज द्वारा अभी भी वर्णव्यवस्था को पूर्णतः नहीं छोड़ना
- जाति प्रथा का बना होना
- राजनीति के जाति प्रथा को वोट बैंक बना लेना।
- दलितो का अभी भी पिछड़ापन बना हुआ है
- दलितो में व्याप्त अशिक्षा, गरीबी, मद्यपान तथा निम्न प्रकार के कार्यों को करना। इत्यादि
- समाज में अभी भी प्राचीन परंपराओं का बना हुआ होना।

इन उपर्युक्त कारणों की वजय से भारत के अस्पृश्यता आज भी दिखाई देती है। परन्तु आज अस्पृश्यता सीमित स्तर पर दिखाई देती है। शहरी क्षेत्रों में इसका धीरे धीरे लोप हो रहा है। इसका


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ग्रामीण क्षेत्रों में अभी जीवन हुआ है इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता, शिक्षा, सामाजिक सद्भाव को बढ़ाकर इसको रोका जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे पिछले कुछ समयों से नशीली दवाओं का प्रयोग बढ रहा है इसके प्रमुख उत्तरदायी कारक –

**नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण**

- → नशीली दवाओ की बढती तस्करी
- → सरकारी नियंत्रण की बढती विफलता
- → ग्रामीण क्षेत्रो मे व्याप्त गरीबी, बेरोजगारी के कारण युवाओं मे बढती कुंठा
- → विभिन्न प्रकार रोगो से अल्पकालिक छुटकारा पाने के लिए बढना
- → विद्यालयो एवं कालेजो मे भी इनका उपयोग बढ रहा
- → लोगो एवं चिकित्सकों के मध्य बढता संचार अंतराल



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इनके बढ़ने से निम्न नकारात्मक प्रभाव पड़ते है जो इस प्रकार है

उपयोग से नकारात्मक प्रभाव

- → सामाजिक एवं व्यक्तिगत नैतिकता का होता पतन
- → समाज मे बढ़ती असुरक्षा
- → महिलाओ के प्रति नकारात्मक सोच का बढ़ना
- → युवाओं के कौशल विकास मे कमी
- → इसका उपयोग से विद्यालयों एवं कॉलेजों मे बढ़ती नकारात्मकता
- → मानव तस्करी का बढ़ना

इस प्रकार इनसे सामाजिक आर्थिक एवं नैतिकता का पतन होता है इसलिए इसके समाधान हेतु निम्न उपाय किये जाए -



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

- दवाओं की जाँच हेतु नियंत्रण वाली संस्थाओं का प्रभावशाली बनाया जाए
- स्कूलों एवं कॉलेजों में ड्रग्स नियंत्रण हेतु कठोर कार्रवाई की जाए
- सरकार द्वारा उनकी तस्करी को रोकने हेतु कठोर संस्थागत प्रणाली अपनाई जाए

अतः, इस समस्या के समाधान हेतु विभिन्न प्रकार के गैर-सरकारी संगठन, सामाजिक संस्थानों, सरकारों तथा चिकित्सकों के सहयोग से इसका नियंत्रण किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation